आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

हथकरघा

(स्टोल, व शॉल)

जय बाबा वीरनाथ स्वयं सहायता समूह, डुघीलग

ग्राम वन विकास समिति	डुघीलग
ग्राम पंचायत..	डुघीलग
वन परिक्षेत्र	भुट्टी
वनमण्डल..	कुल्लू
वनवृत..	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना

विषय -सूची

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	3-4
2	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण व सूची	5-6
3	गांव की भौगोलिक स्थिति का विवरण	7
4	आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण	7
5	उत्पादन की प्रक्रियाएं	8
6	उत्पादन नियोजन	8-9
7	विक्रय तथा विपणन	10
8	सदस्यों के मध्य प्रबन्धन का विवरण	11
9	शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण **(SWOT Analysis)**	11
10	सम्भावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	12
11	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	13
12	अर्थव्यवस्था का सारांश	13
13	अनुमान	14
14	उद्यम हेतू लाभ- लागत विश्लेषण	14-15
15	धन की आवश्यकता	15
16	वित्तीय संसाधन	16
16	धन की आवश्यकता का नियोजन	16
17	लाभ -हानि स्थिति/बिन्दु की तुलना	16
18	ऋण अदायगी नियोजन	17
19	टिप्पणी	17
20	प्रशिक्षण	18
21	अनुलग्नक *(छाया चित्र, नियम, सदस्यों की सूची फोटो सहित व सहमति पत्र)*	19-21

1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुन्दरता और समृद्व संस्कृति के लिए प्रसिद्व है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत विस्तृत है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुन्दरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी लगभग 70 लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि0 मी0 है जोकि शिवालिक पहाड़ियों में उपरी हिमालय के शीत मरूस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 ज़िलों में कुल्लू ज़िला पर्यटन व बागवानी के लिए प्रसिद्व है। कुल्लू ज़िला हिमाचल प्रदेश की मध्य पहाड़ियों में स्थित है।

गांव डुघीलग ग्राम पंचायत डुघीलग विकास खण्ड़ कुल्लू, तहसील व ज़िला कुल्लू हिमाचल प्रदेश में स्थित है। कुल्लू ज़िले की घाटियों को भौतिक संरचना के अनुसार तरह-तरह के नाम दिए गये हैं, जिनमें एक नाम लगवैली है। गांव डुघीलग कुल्लू मुख्यालय से लगभग 10 कि0 मी0 की दूरी पर लगवैली में स्थित है। गांव डुघीलग में लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है परन्तु सिंचाईं की उचित व्यवस्था ना होने के कारण लोगों को उनकी आय में अपेक्षित बढ़ौतरी नहीं हो रही है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम ज़मीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह ठीक ढ़ग से नहीं हो रहा है। जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नगदी फसल व बागवानी के कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं।

गांव में लोग पट्टू बनाने के कार्य कर भी रहे हैं, परन्तु उत्पादन पारम्परिक तरीके से होता है इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यन्त्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है, उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

भौगोलिक स्थिति के अनुसार इस क्षेत्र में पूरे वर्ष भर इन उत्पादों की आवश्यकता रहती है। इस लिए उचित प्रशिक्षण एवं आधुनिक यन्त्रों का उपयोग करके अधिक से अधिक उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। समय-समय पर मांग व फैशन के अनुसार नये उत्पाद तैयार करने की भी आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना नें गांव में ग्राम वन समिति डुघीलग के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से डुघीलग में 02 स्वयं सहायता समूहों का गठन "जय बाबा वीरनाथ" व "प्रेरणा" स्वयं सहायता समूह स्वयं सहायता समूह के रूप में किया गया। इसके बाद "प्रेरणा" स्वयं सहायता समूह ने हथकरघा के कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 10 सदस्य शामिल हुए तथा इस समूह को **"जय बाबा वीरनाथ" स्वयं सहायता समूह** का नाम दिया गया।

"जय बाबा वीरनाथ" स्वयं सहायता समूह के साथ हथकरघा के विशेषज्ञ श्री जुगत राम हिम बुनकर तकनीकी सहायक की राय, सुझावों व अनुभवों के आधार पर समूह के सदस्यों ने स्टोल आदि बनाने का निर्णय लिया विशेषज्ञ श्री जुगत राम से समय-समय पर समूह को जागरूक व कुशल तथा सक्षम बनाने का आग्रह किया ताकि समूह द्वारा बनाये जाने वाले उत्पाद सुन्दर, आकर्षित व अच्छी गुणवता के बने। जिससे समूह की आजीविका में बढ़ौतरी हो।

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने **"जय बाबा वीरनाथ" स्वयं सहायता समूह** को स्टॉल बनाने का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ 100000/- रूपये परिक्रीमी निधि के रूप में देने का निर्णय लिया।

"जय बाबा वीरनाथ" स्वयं सहायता समूह की आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना बनाने के लिए श्री शशि शर्मा (FTU Coordinator), भुट्टी वन परिक्षेत्र व हथकरघा के विशेषज्ञ श्री जुगत राम ने बार-बार समूह के सदस्यों से बैठके करके व वन मण्डल अधिकारी श्री ऐंजल चौहान (IFS), श्री मनोज कुमार (HPFS) सहायक अरण्यपाल कुल्लू के मार्गदर्शन तथा श्री अक्षय राणा वन परिक्षेत्राधिकारी, भुट्टी के सहयोग से इस आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना को अन्तिम रूप दिया।

2. स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण

2.1	समान रूची समूह का नाम	“जय बाबा बीरनाथ”
2.2	समान रूची समूह की सूचना प्रणाली प्रबंधन की नियमावली	नियमावली पृष्ठ नं0 20 पर सलंग्न है
2.3	ग्राम वन विकास समिति	डुघीलग
2.4	वन परिक्षेत्र/क्षेत्रीय तकनीकि ईकाई	भुट्टी
2.5	वनमण्डल/मण्डलीय प्रबन्धन ईकाई	कुल्लू
2.6	गांव	डुघीलग
2.7	विकास खण्ड	कुल्लू
2.8	ज़िला	कुल्लू
2.9	समान रूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	10
2.10	समूह के गठन की तिथि	अप्रैल, 2021
2.11	बैंक खाता संख्या	883101100107069
2.12	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचाालित है	हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक, कुल्लू
2.13	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह की मासिक बचत	100
2.14	कुल बचत	20000
2.15	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	
2.16	नकदी जमा करने की सीमा	
2.17	चुकौती की स्थिति	11 महीने

जय बाबा वीरनाथ स्वयं सहायता समूह की सूची

क्रं0	लाभार्थी का नाम व पता	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	श्रीमती नारदेई पत्नी श्री प्रेम चन्द	प्रधान	32	स्त्री	चौथी	एससी	9816605478
2	श्रीमती हीरा देवी पत्नी श्री प्यारे चन्द	उपप्रधान	37	स्त्री	तीसरी	एससी	6230381288
3	श्रीमती आशा देवी पत्नी श्री महिन्द्र सिंह	सचिव	22	स्त्री	10वी	एससी	8628036517
4	श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री दविन्द्र सिंह	कोषाध्यक्ष	33	स्त्री	7वी	एससी	9805180866
5	श्रीमती सोमलता देवी पत्नी श्री राम सिंह	सदस्य	32	स्त्री	दूसरी	एससी	9805757029
6	श्रीमती अंजली पत्नी श्री जगदीश	सदस्य	21	स्त्री	8वी	एससी	6230332498
7	श्रीमती सुनीता देवी पत्नी श्री सेस राम	सदस्य	28	स्त्री	5वी	एससी	8278760140
8	श्रीमती वीना देवी पत्नी श्री राजु	सदस्य	37	स्त्री	10वी	एससी	8894412276
9	श्रीमति प्रीतु पत्नी श्री कर्म चन्द	सदस्य	29	स्त्री	दूसरी	एससी	7806815343
10	श्रीमति रेखा देवी पत्नी श्री गणेश	सदस्य	20	स्त्री	9वी	एससी	7807429317

3. गांव की भौगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	सड़क से 10 कि0मी0 व पैदल 02 कि0मी0
3.2	मुख्य/लिंक सड़क से दूरी	सड़क से 10 कि0मी0 व पैदल 02 कि0मी0
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 10 कि0मी0.
3.4	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 10 कि0मी0
3.5	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 10 कि0मी0, भुन्तर 15 कि0मी0, मनाली 50 कि0मी0, शमशी 14 कि0मी0
3.6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का बिक्रय/विपणन किया जाएगा।	कुल्लू, भुन्तर, मनाली, शमशी
3.7	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के सम्बन्ध में गांव की कोई विशेष सूचना	कृषि व बागवानी कुल्लवी लिवास पट्टू बनाते है।
3.8	पिछले/ पूर्व और आगामी सम्पर्कों की स्थिति	लगातार बैठके की जा रही है और हथकरघा की जानकारी सांझा की जा रही है।

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	शॉल, स्टॉल
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्वति	कुछ सदस्य हथकरघा का कार्य पहले से ही करते है।
4.3	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह/सदस्यों की सामुहिक सहमति	हां *(सहमति पत्र पृष्ठ नं0 21 पर सलंग्न है)*

5. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा शॉल व स्टोल आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरान्त समूह के सदस्यों द्वारा उत्पाद तैयार करने में निम्न प्रक्रिया की जाएगीः-

1. शॉल व स्टोल का ताना व वाना, वार्पिग मशीन द्वारा लगवाएगें। इससे समय और उत्पादों की मज़दूरी दर का खर्चा कम होगा।
2. समूह में 04 सदस्य शॉल बनाने का कार्य करेगें।
3. समूह में 05 सदस्य स्टोल बनाने का कार्य करेगें।
4. समूह में 01 सदस्य विपणन करेगें व कच्चा माल भी लाएंगे।
5. समूह के सदस्य प्रति दिन 4 से 5 घण्टे कार्य करेगें।

प्रशिक्षण के उपरान्त समूह द्वारा निम्नलिखित उत्पादों का कार्य किया जाएगा। जिसका विवरण इस प्रकार से हैः-

1. <u>शॉल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा</u>

विभिन्न डिज़ाईनों की शॉल 04 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगी। 01 सदस्य द्वारा प्रति दिन में 4 से 5 घण्टें कार्य करने पर 05 दिन में 01 स्टोल तैयार किया जाएगी।

<u>2.स्टोल 2/48 अस्ट्रेलियन बूल धागा</u>

विभिन्न डिज़ाईनों की स्टोल 05 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगी। 01 सदस्य द्वारा प्रति दिन में 4 से 5 घण्टें कार्य करने पर 03 दिन में 01 स्टोल तैयार किया जाएगी।

6. उत्पादन हेतु नियोजन का विवरण

6.1	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन (प्रतिदिन 4-5 घण्टें कार्य करेगें)	➢ 24 शॉल ➢ 50 स्टोल
6.2	प्रति चक्र कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)	➢ 04 सदस्य शॉल के लिए ➢ 05 सदस्य स्टोल के लिए ➢ 01 सदस्य विपणन के लिए ➢ कुल 10 सदस्य
6.3	कच्चे माल का स्त्रोत	कुल्लू
6.4	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	कुल्लू , शमशी, भुन्तर

6.5 कच्चे माल की आवश्यकता एवं अनुमानित उत्पादन

क्रं0	माह	ताना व वाना*(शॉल स्टोल के लिए)*				कैशमीलोन*(शॉल स्टोल के लिए)*			अपेक्षित उत्पादन की मात्रा	टिप्पणी
		इकाई	मात्रा	दर	धनराशि	मात्रा	दर	धनराशि		
1	अप्रैल	कि0ग्रा0	18.9	1500	28350	2.10	450	945	74	शॉल 24 व स्टॉल 50 प्रति चक्र
2	मई	कि0ग्रा0	18.9	1500	28350	2.10	450	945	74	
3	जून	कि0ग्रा0	18.9	1500	28350	2.10	450	945	74	
4	जुलाई	कि0ग्रा0	18.9	1500	28350	2.10	450	945	74	
5	अगस्त	कि0ग्रा0	18.9	1500	28350	2.10	450	945	74	
6	सितम्बर	कि0ग्रा0	18.9	1500	28350	2.10	450	945	74	
7	अक्तूबर	कि0ग्रा0	18.9	1500	28350	2.10	450	945	74	
8	नवम्बर	कि0ग्रा0	18.9	1500	28350	2.10	450	945	74	
9	दिसम्बर	कि0ग्रा0	18.9	1500	28350	2.10	450	945	74	
10	जनवरी	कि0ग्रा0	18.9	1500	28350	2.10	450	945	74	
11	फरवरी	कि0ग्रा0	18.9	1500	28350	2.10	450	945	74	
12	मार्च	कि0ग्रा0	18.9	1500	28350	2.10	450	945	74	
	कुल		226.8		340200	36		11340	888	

- प्रत्येक चक्र (प्रति माह) में शॉल 24 व स्टोल 50 समूह द्वारा बनाये जाएगें।
- साल में शॉल 288 व स्टोल 600 यानि कुल 888 नग समूह द्वारा बनाये जाएगें।

7. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	सम्भावित विपणन स्थल	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
7.2	इकाई से दूरी	10 से 50 कि0मी0
7.3	मण्डी स्थल/स्थलों में उत्पाद की मांग	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
7.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह द्वारा अपनी क्षमता व स्थानीय मांग के आधार • विक्रेताओं की सूची बनाना। • विक्रेताओं से सम्पर्क।
7.5	विपणन पर मौसम का प्रभाव	सर्दी में ज्यादा मांग।
7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय लोग, शहरी लोग, पर्यटक
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	किरायेदार, नौकरी वाले, बाहरी लोग।
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	• दुकानदारों से सम्पर्क। • अपना बिक्री केन्द्र • मेलों में स्टाल/प्रदर्शनी • विभिन्न कार्यालय • धार्मिक स्थलों
7.9	उत्पाद की विपणन रणनीति	• थोक व्यापारी • परचून व्यापारी • एजैन्ट 20-25 प्रतिशत सब्सिड़ी • लोकल नैटवर्क में प्रचार • सोशिल मीडिया में प्रचार •
7.10	उत्पाद का छाप निर्धारण	जय बाबा वीरनाथ ग्रुप रे शोभले उत्पाद जय बाबा वीरनाथ ग्रुप रे शोभले उत्पाद डुघीलग
7.11	उत्पाद का नारा-	शोभला गांव, शोभला कोम, रति भर नहीं काण । यह सा डूघीलग, शॉल व स्टॉल री पहचाण।।

JICA Project

8. समूह सदस्यों के मध्य प्रबंधन का विवरण

- प्रबन्धन के लिए नियम बनाये जाएगें।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यो का बंटवारा करेंगें।
- बंटवारा कार्य की कुशलता व क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
- लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवता व कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा।
- विपणन करने वाले सदस्य को कुल बिक्री राशि पर 05 प्रतिशत कमीशन दी जाएगी।
- विपणन में अनुभव रखने वाले 01 सदस्य विपणन करेगे।
- प्रधान व सचिव प्रबन्धन का मुल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेगें।

9.शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (SWOT Analysis)

शक्ति

- महिलाओं में कार्य करने की लग्न है।
- पहले से ही कुछ सदस्य खड्डी का काम करते है।
- समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता

- महिलायें कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती हैं।
- कार्य के लिए 2 से 3 घण्टें का समय ही निकाल पाना।
- समूह में कार्य पहली बार कर रहे है।

अवसर

- हि0 प्र0 वन परितन्त्र प्रबन्धन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
- प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ौतरी होगी।
- उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
- कुल्लू व मनाली पर्यटक स्थल है।

चुनौती

- अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।
- बाज़ार की स्थिति (डिमांड़) को ना समझना।
- अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पर्धा।
- मज़दूरी के कार्य में व्यस्थता।
- अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यो में व्यस्थता।

10. सम्भावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

क्र0सं0	ज़ोखिमों/ चुनौतियों का विवरण	::	जोखिम कम करने के उपाय
10.1	बाज़ार की स्थिति (डिमांड़) को ना समझना।	::	समय-समय पर बाज़ार की मांग के अनुसार चलना।
10.2	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	::	उपभोक्ताओं के मनपसन्द उत्पाद तैयार करना।
10.3	अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पर्धा।	::	अन्य उत्पाद केन्द्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
10.4	मज़दूरी के कार्य में व्यस्थता।	::	मज़दूरी के कार्य की अपेक्षा हथकरघा को बढ़ावा देना।
10.5	कृषि बागवानी व पशुपालन कार्यो में ज्यादा व्यस्थता।	::	कृषि बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्यो के साथ-साथ हथकरघा में ध्यान देना।
10.6	समूह में बंटवारा	::	आय मे बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना। पार्दर्शिता से कार्य करना।
10.7	उत्पाद की गुणवता घटने से विक्री कम हो सकती है।	::	गुणवता बनाये रखने के लिए समूह को उच्च मापदण्ड रखने होंगें।

JICA Project

11. परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण

11अ-पूंजीगत व्यय

क्र0सं0	विवरण	मूल्य (रू0 में)
1	04 खड्डी 50 इंच वाली 15000 रूपये प्रति खड्डी)	60000
2	05 खड्डी 35 इंच वाली (9000 रूपये प्रति खड्डी)	45000
3	09 चरखे व उरी स्टैड़ (1700 रूपये प्रति चरखे व उरी स्टैड)	15300
	कुल पूंजी व्यय	120300

11ब-आवर्ती व्यय (एक चक्र में)

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1	शॉल				
क	कच्चा माल (ताना व वाना)	कि0 ग्रा0	0.550	1500	19800
ख	कच्चा माल (कैशमीलोन)	कि0 ग्रा0	0.030	450	324
ग	वार्पिंग मशीन का खर्चा *(24 शॉल के लिए)*	संख्या	24	30	720
घ	मजदूरी*(01 सदस्य 4-5 घण्टें/दिन) 30x1x300*	दिन	30	300	36000
ङ	अन्य खर्चा *(पैकिंग, पम्पलेट)*				1000
	कुल*(क+ख+ग+ङ)*				21844
2	स्टॉल				
क	कच्चा माल (ताना व वाना)	कि0 ग्रा0	0.270	1500	20250
ख	कच्चा माल (कैशमीलोन)	कि0 ग्रा0	0.030	450	675
ग	वार्पिंग मशीन का खर्चा *(50 स्टॉल के लिए)*	संख्या	50	30	1500
घ	मजदूरी *(01 सदस्य 4-5 घण्टें/दिन) 30x1x300*	दिन	30	300	45000
ङ	अन्य खर्चा *(पैकिंग, पम्पलेट)*				1000
	कुल*(क+ख+ग+ङ)*				23425
	कुल आवर्ती लागत				45269

11 अर्थ-व्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	कुल आवर्ती लागत	45269
2	पूंजीगत व्यय पर 10 प्रतिशत वार्षिक ह्रास	1203
3	ऋण पर 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज	500
	योग	**46972**

12 अनुमान

विक्रय मुल्य की गणना

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	धनराशि
एक शॉल के लिए				
	उत्पादन की लागत	संख्या	1	1000
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	30	300
	कुल (लागत+ लाभ)	संख्या	1	1300
	बाजार भाव	संख्या	1	1600
एक स्टोल के लिए				
2	उत्पादन की लागत	संख्या	1	521
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	30	156
	कुल (लागत+ लाभ)	संख्या	1	677
	बाजार भाव	संख्या	1	950

13.उद्यम हेतू लागत-लाभ विश्लेषण (एक चक्र में यानि 01 महीना में)

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक ह्रास (अ)	.	.	.	1203
2	आवर्ती व्यय(ब)			.	
2.1	शॉल				21844
2.2	स्टोल				23425
	योग (ब)				**45269**
3	कुल उत्पादन (शॉल)	संख्या	24		
4	कुल उत्पादन (स्टोल)	संख्या	50		
5	उत्पाद की बिक्री (शॉल)	संख्या	24		

6	उत्पाद की बिक्री (स्टोल)	संख्या	50		
7	उत्पाद की बिक्री से आय (शॉल)	संख्या	24	1300	31200
8	उत्पाद की बिक्री से आय (स्टोल)	संख्या	50	677	33850
	योग (स)				**65050**
9	कुल लाभ =स-(अ+ब) 65050-(1203+45269=46472)				18578
10	उत्पाद की बिक्री से सकल लाभ				18578
11	एक चक्र के उपरान्त लाभ के रूप में सदस्यों के मध्य वितरण हेतू उपलब्ध धनराशि =उत्पाद की विक्री से आय - (मूलधन व ब्याज वापसी हेतू वांछित धनराशि + किराया +दूसरे चक्र हेतू आवश्यक आवर्ती व्यय) 18578-5000= 13578				13578

14. **स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह को धन की आवश्यकता**

क्रं0	मद	कुल व्यय	परियोजना द्वारा अंशदान 75%	समूह द्वारा अंशदान 25%	समूह को ऋण की आवश्यकता
1	पूंजीगत व्यय	120300	90225	30075	0
2	आवर्ती व्यय	45269	0	0	45269
	योग	165569	90225	30075	45269
	नोट	ऋण की आवश्यकता लगभग 50000			

नोट -चूंकि मजदूरी का प्रबन्ध समूह के सदस्य स्वयं करेगें अतः इसके लिए अतिरिक्त धन की आवश्यकता नही होगी इसलिए समूह की वित्तीय आवश्यकता में दिये गये आवर्ती व्यय में मजदूरी को नही जोड़ा गया है।

15.समूह के वित्तीय संसाधन

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	परियोजना द्वारा उपलब्ध करायी गयी सहायता कोष	90225
2	समूह की आंतरिक बचत	20000
	योग	**110225**

- परियोजना द्वारा 100000/- रूपये राशि बीज कोष के रूप में उपलब्ध करायी जायेगी। इस बीज कोष के आधार पर ही समूह के सदस्य बैंक से ऋण लेगें।

16. धनराशि की आवश्यकता का नियोजन

क्रं0	आवयश्यक संसाधन	आवयश्यक धनराशि	अभ्युक्ति
1	04 खड्डी 50 इंच वाली	15000	समूह द्वारा सहायता राशि से खड्डी, चरखे व उरी के लिए 25% एडवांस दिया जाए।
	05 खड्डी 35 इंच वाली	11250	
2	09 चरखे व उरी स्टैंड़	3825	
	कुल	30075	
3	कच्चा माल व किराया	45269	
	कुल योग	**75344**	

17. लाभ-हानि बिन्दू/स्थिति की गणना (ब्रेक इविन प्वाइन्ट)

शॉल की सम विछेदन बिन्दू की गणना

= 120300/300 401 दिन

स्टॉल की सम विछेदन बिन्दू की गणना

= 120300/156 771 दिन

कुल सम विछेदन बिन्दू की गणना = 120300/958 = 126 दिन

- इस प्रक्रिया में उपरोक्त उत्पाद की बिक्री के इसी अनुपात के अनसार 126 दिनों में सम विछेदन बिन्दू प्राप्त किया जा सकता है।

18. ऋण चुकौती की अनुसूची

क्रं0	महीना	ऋण वापसी			संचयी ऋण वापसी	अवशेष ऋण		
		मूलधन	ब्याज	कुल		मूलधन	ब्याज	कुल
1	महीना-1					50000	416.67	50416.7
2	महीना-2	4583.33	416.67	5000	5000	45417	378.47	45795.1
3	महीना-3	4621.53	378.47	5000	5000	40795	339.96	41135.1
4	महीना-4	4660.04	339.96	5000	5000	36135	301.13	36436.2
5	महीना-5	4698.87	301.13	5000	5000	31436	261.97	31698.2
6	महीना-6	4738.03	261.97	5000	5000	26698	222.48	26920.7
7	महीना-7	4777.52	222.48	5000	5000	21921	182.67	22103.3
8	महीना-8	4817.33	182.67	5000	5000	17103	142.53	17245.9
9	महीना-9	4857.47	142.53	5000	5000	12246	102.05	12347.9
10	महीना-10	4897.95	102.05	5000	5000	7347.9	61.233	7409.16
11	महीना-11	4938.77	61.233	5000	5000	2409.2	20.076	2429.24
12	महीना-12	2409.92	20.076	2430	0	0	0	0
	योग	50001	2429.2	52430				

- 10% वार्षिक ब्याज की गणना प्रति माह घटते हुए मूलधन के आधार पर की गई है।
- समायोजन के कारण अन्तिम ई0एम0आई0 नियमित ई0एम0आई0 से कम या अधिक हो सकती है।

19. टिप्पणी

समूह द्वारा प्रथम चक्र में 74 नग शॉल व स्टोल तैयार करके विक्रय किए जाएगें। इससे प्रत्येक चक्र में औसतन 13578/- रूपये की आय सम्भावित है।

20. प्रशिक्षण

प्रशिक्षण प्रतिदिन 08 घण्टें किया जाएगा यानि 42 से 43 दिन। मास्टर ट्रेनर को 1500/- रूपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रशिक्षित करने का दिया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि के समय समूह को एक बार कच्चा माल 1000/- रूपये प्रति प्रशिक्षणार्थी के हिसाब से दिया जाएगा।

क्रं0	विवरण	प्रशिक्षण	सदस्य	दर	राशि	टिप्पणी
1	मास्टर ट्रेनर	45 दिन	-	1500	67500	1500.00 रूपये /दिन
2	बोर्डिंग लॉज़िग	45 दिन		125	5625	125 रूपये /दिन
3	कच्चा माल/प्रशिक्षण सामग्री	45 दिन	12	1000	12000	1000 रूपये /सदस्य एक बार
4	प्रशिक्षण केन्द्र का किराया	45 दिन	-	1000	1500	1000 रूप्ये/दिन
5	परिवहन किराया	खड्डी, चरखा उरी	-	-	1000	1000 रूपये एक बार
	कुल				87625	

21अनुलग्नक

जय बाबा वीरनाथ स्वंय सहायता समूह के नियमों की सूची

1. समूह का काम : **हथकरघा**
2. समूह का नाम : **जय बाबा वीरनाथ स्वयं सहायता समूह**
3. समूह का पता : **गांव डुघीलग डा0 डुघीलग तह0 व ज़िला कुल्लू हि0 प्र0**
4. समूह के कुल सदस्य : 10
5. समूह की पहली बैठक की तिथि ; **अप्रैल, 2021**
6. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा
7. समूह की मासिक बैठक हर माह की **14** तारिख को होगी
8. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
9. स्वंय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
10. स्वंय सहायता समूह का खाता **हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक** शाखा **सरवरी, कुल्लू** में खोला जाएगा खाता संख्या नंबर 883101100107069 है
11. समूह की बैठक में गैर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
12. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बैठकों तक समूह से गैर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाएगा
13. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए बगैर गैर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
14. स्वंय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाएगें
15. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
16. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्ध कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
17. अगर सदस्य किसी कारण समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ सकता है अन्यथा नही
18. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
19. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए
20. स्वंय सहायता समूह के रजिस्ट्रर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
21. ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी
22. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए
23. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी
24. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगा।

जय बाबा वीरनाथ स्वयं सहायता समूह के सदस्य के छायाचित्र

श्रीमती नारदेई
प्रधान

श्रीमति आशा देवी
सचिव

श्रीमति कमला देवी
कोषाध्यक्ष

श्रीमति सुनीता देवी
सदस्य

श्रीमति रेखा देवी
सदस्य

श्रीमति सोमलता
सदस्य

श्रीमति प्रीतू देवी
सदस्य

श्रीमती अंजली
सदस्य

श्रीमति बीना देवी
सदस्य

श्रीमति हीरां देवी
उपप्रधान

सहमति पत्र

आज दिनांक 28.10.22 को **जय बाबा वीरनाथ स्वयं सहायता समूह डुघीलग** की बैठक प्रधान श्रीमति नारदेइ की अध्यक्षता में हुई जिसमें में समूह के सभी सदस्यों ने भाग लिया। **जय बाबा वीरनाथ** स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा व क्षेत्रीय तकनीकि ईकाई भुट्टी के सहयोग से तैयार हथकरघा व्यवसाय योजना के दस्तावेज के प्रारूप को अन्तिम रूप दिया। वन विभाग के माध्यम से **हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना** *(जाईका द्वारा वित पोषित)* के सहयोग से चलाई जा रही परियोजना के साथ **जय बाबा वीरनाथ** स्वयं सहायता समूह **डुघीलग** के सदस्यों ने अपनी आजीविका वर्धन करने के लिए सर्वसहमति से **हथकरघा** (Handloom) का निरन्तर कार्य करने की सहमति प्रदान की।

प्रधान Nardei
जय बाबा वीर नाथ
स्वयं सहायता समूह
डुघीलग जिला कुल्लू (हि०प्र०

सचिव Asha Devi
जय बाबा वीर नाथ
स्वयं सहायता समूह
डुघीलग जिला कुल्लू (हि०प्र०

प्रधान
ग्राम वन विकास समिति
डुगीलग, ग्राम पंचायत डुगीलग
तह० व जिला कुल्लू (हि०प्र०)

अनुमोदन

आज दिनांक 05.11.22 को मण्डलीय प्रबन्धन ईकाई एवं वन मण्डल अधिकारी कुल्लू द्वारा **जय बाबा वीरनाथ** स्वयं सहायता समूह डुघीलग की **हथकरघा** (Handloom) की आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना का अनुमोदन किया।

Divisional Forest Officer
Forest Division Kullu